एकता महिला कुकुट पालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि.
दुमका

निबंधन संख्या : जे0के0डी0 03–01–01 ओ0टी0एच0 01

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2024–25

समिति का संक्षिप्त परिचय

एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0, निबंधन संख्या : जे0के0डी0 03–01–01 ओ0टी0एच0 01, दिनांक : 22–05–2009 का निबंधन झारखंड स्वावलंबी सहकारी समिति अधिनियम 1996 मे निबंधक, सहकारी समितियां, झारखंड सरकार के अंतरगत किया गया है। समिति का निबंधित कार्यालय गाँव–पत्ताबाडी, पोस्ट–पत्ताबाडी, ब्लॉक–शिकारीपाडा, जिला–दुमका (झारखंड) है। इस समिति को बनाने का उद्ेष्य लघु स्तरीय पोल्ट्री उद्योग के उत्पादकों को उत्पादन हेतु सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे यह व्यवसाय लंबे समय तक स्थायी रुप से सदस्यों को फायदा पहुँचाता रहे। इसके अतिरिक्त समिति से यह अपेक्षित है कि वह इस क्षेत्र में नेतृत्व कर पोल्ट्री उद्योग के अवसर को गरीब परिवारों के लिए और अधिक विकसित करें। समिति, उत्पादन सामग्री खरीद एवं वितरण, उत्पादन एवं कार्य कुशलता की निगरानी एवं मुर्गीयों की बिक्री हेतु विभिन्न प्रकार के तकनीकी एवं प्रबंधन सहायता उपलब्ध कराती है। समिति द्वारा उपलब्ध इस सहायता ने सदस्यों के उत्पादन एवं लागत कुशलता को बढ़ाया है जिससे उनके हर एक बैच के आय में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में समिति में दुमका, शिकारीपाडा एवं काठीकुण्ड ब्लॉक के 42 गाँव से 830 सदस्य हैं।

समिति का प्रशासनिक कार्यालय का पता :

ग्रैंड इस्टेट रोड, लाल पोखरा, दुमका –814101 (झारखण्ड)

मोबाइल – 8809204240, ई–मेल – incharge.emksss@gmail.com

लक्ष्य :

मुर्गीपालन के माध्यम से गाँव के गरीब महिलाओं को आजीविका का स्थानीय श्रोत उपलब्ध कराकर स्वावलंबी एवं आर्थिक व सामाजिक रूप से सुदृढ व आत्मनिर्भर बनाना है।

मिशन :

ग्रामीण महिलाओं को समिति के माध्यम से संगठित कर एक सूत्रधार एकता शक्ति प्रगति के पथ पर चलना पोल्ट्री जैसे बड़े उद्योग के मापदंड के अनुरूप स्माल होल्डर पोल्ट्री फार्मिंग के रूप में स्थापित करना। ब्रायलर मुर्गा का पालन उच्च स्तरीय तरीका से करना ताकि सदस्यों को अधिक से अधिक मुनाफा हो सके।

निर्देषक मंडल :

क्र0 सं0	कार्यकारिणी सदस्या का नाम	गाँव	पद
1	फूलन देवी	पथरगढ़ा	अध्यक्ष
2	हेलेना हेम्ब्रम	बागनल	उपाध्यक्ष
3	मंजु देवी	धाधकिया	सदस्य निदेशक
4	सोना टुडू	महुँआडंगाल	सदस्य निदेशक
5	लीलमुनी टुडू	मुड़ायम	सदस्य निदेशक
6	देवन्ती देवी	केन्दपहाड़ी	सदस्य निदेशक
7	अमिया देवी	बुधूडीह	सदस्य निदेशक
8	शकुन्तला मुर्मू	जीतपुर	सदस्य निदेशक
9	उल्फा सोरेन	छोटागड्डी	सदस्य निदेशक
10	सलमा हेम्ब्रम	करमाटांड	सदस्य निदेशक
11	सोनावती टुडू	दुर्गाडीह	सदस्य निदेशक
12	बड़की किस्कु	दरबारपुर	सदस्य निदेशक
13	शांति मुर्मू	डामरी	सदस्य निदेशक
14	बाहा मुर्मू	चुकापानी	सदस्य निदेशक
15	सुनीता मुर्मू	बाधापाथर	सदस्य निदेशक

एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0, द्वारा सदस्यों को दी जाने वाली सेवाएँ :

- सरकार एवं अन्य एजेंसीयां के कल्याणकारी योजनाओं के योजनानुसार गाँव के गरीब, आदिवासी एवं पिछड़ी जाती के महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से एकत्रित कर पोल्ट्री शेड का निर्माण करना।
- सदस्यों को मुर्गीपालन सम्बंधित प्रशिक्षण एवं तकनिकी सहायता प्रदान करना।

- मुर्गियों के आहार एवं मुर्गीपालन संबंधित अन्य वस्तुओं का क्रय करना एवं सदस्यों तक पहुचाने का समुचित व्यवस्था करना।
- उन्नत एवं गुणवत्ता युक्त कच्चे माल जैसे चूजा, दाना, दवा, वैक्सीन, कुन्नि आदि थोक दरों पर क्रय कर सदस्यों के गाँव तक उपलब्ध कराना।
- सदस्यों द्वारा उत्पादित मुर्गियों को उचित दर में बाजार में विक्रय करना।
- प्रत्येक सदस्यों का व्यक्तिगत व्यवसाय का लेखा जोखा का हिसाब रखना एवं समय समय पर इसकी जानकारी सदस्यों को देना।
- सभी सदस्यों एवं उनके पति का संघ के द्वारा बिमा करना।
- अन्य ऐसे सभी कार्यों को करना जो उपरोक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जाना है।

अध्यक्षीय संबोधन

मैं फूलन देवी अध्यक्षा एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0, आपलोगो को आर्थिक वर्ष 2024–2025 के अंत आयोजित वार्षिक आम सभा में हार्दिक स्वागत करती हुँ।

हमारे दुमका जिले में अधिकतर लोग कृषि पर निर्भर हैं । भूमिहीन, जिनका जमीन अपर्याप्त है, जिसका जमीन खेती योग्य नहीं है, उनलोगो के लिए जिवीकोपार्जन करने का मुर्गी पालन अति उत्तम साधन है, मुर्गी पालन गरीबो का सामाजिक परम्परा है, पहले लोग धर में एक दो मुर्गी पालन करते थे, लेकिन वर्तमान में मुर्गी पालन को व्यावसायिक रूप दिया गया है। वैज्ञानिक तकनीकी, आसान षिक्षा, बढ़ती महंगाई मांग एंव कम पुंजी लगाकर बहुत ही कम समय में मौद्रिक आय, सामाजिक बंधन से मुक्त होकर कोई भी जाति धर्म के लोग मुर्गीपालन कर सकते है। इन सब कारणो से मुर्गी पालन को आधुनिकीकरण एंव व्यावसायिकीकरण किया गया ।

मुर्गी पालन आजिवीका के सिर्फ एक लघु/छोटी साधन नही है, परंतु ग्रामीण गरीब महिलाओ को साक्तिकरण में बड़ा भुमिका निभाता है। मुर्गी पालन के माध्यम से गरीब महिलाओ को गरीबी से मुक्त कराने के लिए ''प्रदान'' (राष्ट्रीय स्वय सेवी संस्था) के सहायता से वर्ष 2009 में दुमका प्रंखड के गरीब महिलाओ ने मुर्गी पालन शुरू किया। मुर्गी पालन से जुडी महिलाओ ने एक समिति बनाई जिसका नाम **एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0** रखा गया। और झारखंड सरकार की सहकारिता समिति अधिनियम 1996 के अर्न्तगत इसे निबंधित किया गया। दुमका प्रखंड के पथरगढा एवं पताईथान गाँव की 15 महिलाओ के साथ मुर्गी पालन

का शुरूआत किया। अभी 42 गाँव के 830 महिलाओ ने उत्साह के साथ मुर्गी पालन कर रही है। वर्तमान समय मे इस व्यवसाय से 30,000 से 40,000 हजार रूपया तक इनकी सलाना आमदनी हो रही है। जो इस सदस्यों और इनके परिवारजनो को बेहतर जीविका प्रदान करती है।

2024–2025 का उपलब्धिया :

- कुल सदस्य – 830 लघु किसान।
- कुल हिस्सा पुंजी – 3 लाख 10 हजार 600 रूपया।
- कुल बिक्री किये गए मुर्गी की संख्या – 6 लाख 86 हजार 4 सौ 43 पीस मात्र।
- कुल बिक्री किये गए मुर्गी का वजन – 1044.58 मेट्रिक टन।
- कुल विक्रय (टर्नओवर) – 11 करोड़ 22 लाख 92 हजार 359 रूपया 86 पैसा।
- उत्पादनकर्ता का भुगतान – 75 लाख 65 हजार 299 रूपया।
- सुपरवाईजर का भुगतान – 8 लाख 01 हजार 293 रूपया।
- समिति का 2024–25 का लाभ – 1 लाख 38 हजार 711 रूपया 24 पैसा।
- समिति के सभी दीदी एवं दादा का जीवन बीमा किया गया।
- लगभग 95 प्रतिशत सदस्यो का बैंक के द्वारा भुगतान किया जा रहा है।

आज इस मौके पर एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0 की तरफ से मैं, जिला एंव प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारीगण, दुमका सहकारिता विभाग, जे.एस.एल.पी.एस., आई0 डी0 बी0 आई0 बैंक, नाबार्ड् झारखण्ड महिला पॉल्ट्री फेडरेशन रॉची, एन0 एस0 पी0 डी0 टी0 भोपाल, एंव प्रदान संस्था, दुमका को धन्यवाद ज्ञापन करती हुँ।

आईए! हम सभी सदस्या मिलकर यह संकल्प लेते है कि समिति को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी सदस्या अपना कर्तव्य ईमानदारी एंव निष्ठापुर्वक निभाएंगे और समिति के लिए अधिक परिश्रम करेगें ताकि मुर्गी पालन से हमारे जीवन स्तर में उन्नती हो सके।

धन्यवाद !

फूलन देवी

अध्यक्षा,

एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि0 दुमका

योजना (2025–26) :

- इस वर्ष हमलोग 28 नए सदस्यों को समिति में जोड़ने का लक्ष्य रखा है।
- पुराने 25 सदस्यों का मुर्गी शेड को विस्तार करने का लक्ष्य है।
- वार्षिक चूजा प्लेसमेंट को 9 लाख 75 हजार करना है।
- वार्षिक टर्नओवर 1549.49 मीट्रिक टन करना है।
- सदस्यों को 1 कड़ोड़ 21 लाख 55 लाख 348 रूपए ग्रोवेर राशि देने का लक्ष्य है।
- सदस्यों का वार्षिक 7 बैच मुर्गीपालन करने का योजना है।
- सदस्यों को समय–समय पर सभी तरह का प्रशिक्षण देना है।
- समिति के कार्यकारिणी सदस्यों का लीडरशीप ट्रेनिंग संघ राँची के मदास से दिलाना।
- समिति का अपना एक स्वयं चिकन दुकान सुचारू रूप से चल रहा है उसको बढाकर तीन करना।

हमारा शीर्ष संगठन :

- एकता महिला कुकुटपालक स्वावलंबी सहकारी समिति लि. **झारखण्ड महिला स्वावलंबी पोल्ट्री सहकारी संघ ली., राँची** का सदस्य सदस्य एवं अंशधारक है।
- संघ 10 प्राथमिक सहकारी समितियों का राज्य स्तर पर एक संगठन है जो **झारखण्ड स्वावलंबी सहकारी समिति अधिनियम 1996** में निबंधक सहकारी समितियां, झारखण्ड सरकार के अंतर्गत निबंधित है।

संघ की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए की गई है :

- ✓ गुणवत्ता युक्त कच्चे सामिग्री जैसे दाना, चूजा, दवा, वैक्सीन, मुर्गी शेड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को उचित मूल्य पर सभी सदस्य समितियों को उपलब्ध कराना।
- ✓ तैयार मुर्गियों को बिक्री करनेम में सदस्य समितियों का मदद करना।
- ✓ सभी समितियों को उत्पादन, प्रबंधन, लेखा प्रणाली में मदद करना।
- ✓ नए कर्मचारी की नियुक्ति में सदस्य समितियों का मदद करना।

समिति का संरचना

आम सदस्य

कार्यकारिणी बोर्ड
आम सभा के द्वारा सभी गाँव/टोला से चयनित सदस्य

समिति का प्रबंधक

- ❖कर्मचारीयों का चयन
- ❖कर्मचारीयों का नियुक्ति एवं उचित दिशानिर्देश देना
- ❖कार्य समीक्षा करना एवं उचित निर्णय लेना

अकाउंटेंट

- ❖लेखा जोखा रखना एवं पेमेंट करना
- ❖समिति का व्यवसाय का समीक्षा करना (खरीद दर बिक्री दर)
- ❖सदस्यों का समस्या को सुनना एवं उसका निवारण करना
- ❖समिति का मासिक लाभ हानि खाता बनाना एवं उसका समीक्षा करना
- ❖समिति का वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट तैयार करना

निरिक्षण

सुपरवाइजर

- ❖रोजाना सभी शेड का निरिक्षण करना
- ❖सदस्यों को चूजा, दाना, दवा, कुन्नि आदि का वितरण करना
- ❖ सभी सामिग्री का हिसाब रखना
- ❖सदस्य का उत्पादन पुस्तिका को अपडेट करना
- ❖ डेली मोर्टेलिटी रिपोर्ट, साप्ताहिक रिपोर्ट आदि नियमित रूप से साझा करना
- ❖तैयार मुर्गियों का बिक्री का हिसाब रखना

उत्पादन एवं मार्केटिंग स्टाफ

उत्पादन स्टाफ

- ❖ डेली फील्ड विजिट करना मरे मुर्गी का पोस्टमोर्टेम करना बिमारी के अनुशार उपचार करना
- ❖ दाना, दवा वैक्सीन आदि का सही मात्र सुनिश्चित करना और सुपरवाइजर को सूचित करना
- ❖ डेली, वीकली एवं मंथली रिपोर्ट का समीक्षा करना
- ❖ साप्ताहिक सुपरवाइजर मीटिंग, गाँव स्तरीय साप्ताहिक उत्पादन मीटिंग, मासिक क्लस्टर मीटिंग नियमित रूप से करना

मार्केटिंग स्टाफ

- ❖ उचित मूल्य पर कच्चे सामग्रियों का क्रय करना
- ❖ उचित बाज़ार दर पर तैयार मुर्गियों का विक्रय करना
- ❖ समय समय पर बाज़ार का समीक्षा करना , नए व्यापारियों को जोड़ना
- ❖ मुर्गी बिक्री का हिसाब रखना

सहायता

आम सदस्य

व्यक्तिगत इकाई का प्रबंधन

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

संघ के गीत

सपने जोडों, बन्घन तोड़ो, अब तो आगे बढ़ना है।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है।
मिल कर हमने अब अपनी पहचान बनायी है।
सपना पूरा होगा एक दिन हममें हिम्मत आई है।
हाथ मिलाओ, साथ मिलाओ, अभी तो आगे बढ़ना है।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है।
दूर अभी मंजिल बहुत है, ओर उँची बहुत चढ़ाई है।
एक दिन हम छू लेगें शिखर, हममें हिम्मत आई है।
नरे जोड़ो, चुप्पी तोड़ो अब मुशकिलो से लड़ना है।
अभी तो थोड़ी दूर चले है, आगे बहुत निकलना है।

संघ के नारा

- हाथों को रोजगार, महिलाओं को सम्मान।
  यही हमारे संघ की पहचान।।
- गरीब नारियों को जोड़ना है, मुर्गीपालन बढ़ाना है।
  हर गाँव को करेगें आबाद, भारतीय नारी जिन्दाबाद।।
- महिलाओं की है पुकार। मुर्गी पालो करो सुघार।।
- बन्द करो ये झगड़ा। हमारा मुर्गा सबसे तगड़ा।।
  महिला शाक्ति जगायेगें। मुर्गी उत्पादन बढ़ायेंगे।।
- मिलकर विकास लायेंगे। सुनहरा भविष्य बनायेंगे।।
  ये संघ का नारा है। ये संघ हमारा है।।

अभिस्वीकृतिः

- *सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार*
- *प्रोफेषनल एसीसटेन्स फॉर डेवेलपमेंट एक्सन (PRADAN)*
- *नेशनल स्मॉल होल्डर पोल्ट्री डेवेलपमेंट ट्रस्ट (NSPDT)*
- *राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम, (NCDC)*
- *झारखण्ड राज्य आजीविका संवर्धन समाज (JSLPS)*